



म या आ मूजी

दयालुता की एक कहानी

श वेता बाला द वारा

सहना बाला द वारा सच त र



एकटा पैघ शहर मे म या नामक एकटा लड की रहैत छल । म या के बजाबय नाचय आ गाबय के शौक छल. लोकक प रत हँसमुख रवैयाक कारणेँ सभ मोहल लाक लोक म या पस न करैत छल । म या लोककेँ हँसीखुशीसँ अभ वादन करथ आ ओ सभ मुँह पर मुस कान लऽ कऽ पीठसँ अभ वादन करथ ।



एक दिन मैं याप लास ट कक कप पान आ हाथ में चप सक झोरा ल क पार क मे टहलैत छलीह. एक बेर काज भ गेलाक बाद ओर साइक ल ग ब न मे नह जमीन पर फेक देलथ । म या के एकटा दोस त एम ली ओकर हरकत देखलक आ ओकर कूड । देख बहुत आश चर यचक त भ गेलै।

ओ म या लग आब पुछलीह कचरा घास पर क एक फेक देल यैक

म या जबाब देलक लग मे कचरा ड ब बा नह छल तँ हम ओतह फेक देल यैक।

अहाँकेँ एखनो एहन नह करबाक चाही म या। पर यावरणक लेल अधलाह अछ । एम ली कहलक।

ई तऽ बस दू टा कचरा छल। म या ट प पणी केलक।

अहाँ अपन घर मे एहन करब दू टा कचरा छोड द यौक

सोचू म या हमरा बुझल अछ जे अहाँ जल द ये सही न र णय लेब।

एम ली तखन पैदल वापस अपन घर द स ब य लगलीह आ म या सोचय लगलीह जे ओ की क रहल छथ ।



ओह रात में या के देखल गेल सबस अजीब सपना छल। सपना में या के पास मूजी नाम के गाय आब गेलै।

मूजी अपन पर चय देलक नमस कार म या हम मूजी छी। नै होउ भयभीत हमरा अहाँसँ पार कमे जे भेल छल ताह पर गप प करबाक आवश यकता अछ ।

म या पुछलकै एकटा छोट सन कचरा एतेक पैघ चंता क एक ओ कहला जे अहाँ जे केलहुं ओ पर यावरण लेल खराब अछ । हमरा संग आ हम सब अलगअलग जगह पर जा क देखताह जे कचरा के बारे में हुनका सब के केहन लगैत छन ।

म या मान गेल आ दुनू गोटे एकटा पगडंडी पर चलय लगलाह।



जंगल में घुमते काल में या देखलक जे एकटा पोखर में एकटा उदास गण्ड प बजैत हंस हेलेत अछ ।

मैं या पुछलकै की बात छै सुशरीस वान
हंस जबाब देलक पोखर में एतेक कचरा अछ जतय हम खाइत छी आ हेलेत छी । कचरा के कारण
हम सब में स बहुतो गोटे भूखल रह गेल छी। काश लोक कूड ाकरकट छोड पर यावरण के मदद करय
लागय.

एखनक तुलना में कतेको जीव जीव त आप रसन न रहैत।

बेचारा हंस के देख आ ओकर दुखद कथा सुन मैं या बहुत दुखी भ गेल।



देखतेदेखते मूजी आ म या जंगल मे टहल गेल जतय पगडंडी ब गेल
ओकरा सभ केँ आ देखलकै जे एकटा बहुत कमजोर गाछ छलैक जाह मे पातरपातर डार लटकल छलैक।
म या गाछ सँ पुछलकै अहाँ एतेक दुखी क एक छी म स टर ट री
गाछ जबाब देलकैक हमरा सभ मे सँ बहुतो गोटे फल उत पादन बंद क देल यैक कारण ओतेक कचरा
जे हमरा सभ केँ पोषक तत व नह भेटैत अछ । हम सब मे स बहुतो गोटे बीमार आ कमजोर भ रहल छी। जौ ई कूड ा
करकट के आदत बनल रहत त हम सब जल द ये सदाक लेल चल जायब। हम मनुक खक लेल एतेक क छु करैत
छी। हम सब हुनका सब के नेशनल पार क दैत छी जतय ओ सब अद भुत प रकृत देख सकैत छथ । हम सभ ओकरा
सभकेँ साँस लेबाक लेल हवा दैत छी घरक लकड ि आ जानवरच ड ँ सभक लेल जगह दैत छी तइयो ओ सभ
हमरा सभकेँ चोट पहुँचबैत रहैत अछ ।

बेचारा गाछ के एतेक कष ट देख म या हृदय टूट गेल।



गाछ के यथासंभव शांत करला के बाद म या आ मूजी एकटा म त रवत च ड ै देखलक
जे एकटा गाछक डार पर स सकैत छल।

म या आवाज देलक की बात च ड ै क एक कान रहल छी
च ड ै उत तर देलक हम भोजनक श कारक रहल छलहुँक जमीन पर क छु
देखलहुँ । हमरा लागल जे ई कोनो एहन भोजन अछ जे हम अपन बच चा सभकेँ खुआ सकब।
कचरा न कलल आ आब हमर छोटछोट बच चा सब बीमार अछ । ई सबटा कूड ाकरकट करय
बला मनुक खक कारणेँ अछ । मनुष य के कचरा र साइक ल ंग ड ब बा मे राखय के
बजाय जमीन पर क एक फेकय पड ैत छैक



म या ततेक चौक गेलीह जे ओ जतेक नुकसान के ह स सा छलीह से देख कानय लगलीह.
ओकरा बुझायल जे जँ ओ आ आन लोक एह भयावह व यवहार केँ आगू ब बैत रहत तऽ पर वेश
नष ट भ जायत। हुनका बुझायल जे ओ ई काज ब ना देखने सेहो क रहल छथ

म या मूजी केँ च च या उठल आब बुझ गेलहुँ जे हम की गलत केलहुँ। हमरा
पृथ वी के अपन घर जकाँ व यवहार करबाक चाही। धन यवाद मूजी जे हमरा चारू कात देखौलहुँ आ
हमरा नोट स करौलहुँ।

मूजी जबाब देलकैक हमरा खुशी अछ जे अहाँ बुझ गेलहुँ जे हम की क रहल छी
कहू. मोन राखू सद खन दयालु रहू आ पर यावरण के बचाउ



जखन अलार म बाजल त म या आओर उज ज वल आ खुश भ गेल क एक त ओकरा धरती के नीक जगह बनाबय के तरीका बुझल छल. म या एकटा पर यावरण क लब शुरू केलन आ पर यावरण के संरक षण के बारे में अपन जान साझा केलन । जखन ओ आकाश द स तकलीह त म या देखलक जे मूजी ओकरा द स नीचा मुस कुरा रहल छल।

अंत

म या आ मूजी के न र माता के बारे में

श वेता बाला में साल के छलीह जखन ओ म या आ मूजी ल खने छलीह आ एकटा ऑनलाइन स कूल लॉरेल स प र ंग स स कूल में वी कक षा के छात रा छलीह.

श वेता केरऽ बह न सहना बाला न १५ साल के उम र म आरू कैल फोर न या केरऽ सैन जोस केरऽ ल नब रोक हाई स कूल मं ९वी कक षा के छात रा के रूप मं कहानी के च त रण करलकै ।

मूजी आ च ल ड रेन काइंडनेस नेटवर क के लेल हुनकर दयालुता के काज अछ

कथा १.

- “ म या आ मूजी
- “ मूजी के दयालुता के जादू
- “ मूजी के सकारात मक शब द
- “ मूजी आ सर कस

कब ता

- “ मूजी कव ता

पहेली १.

- “ मूजी शब द खोज
- “ शब द के अनस क रैम बल करू

पोस टर कोव ड महामारी के समय प रारम भेन र म त १.

- “ मूजी कहैत छथ मास क पह रब
- “ मूजी हाथ धोबैत अछ

नेवरग रीन स टी मे मूजी आ रेनबो

कॉल न बार सा द वारा



सब अध कार सुरक ष त

बाल दयालुता संजाल द वारा प रकाश त

www.moozie.org पर अछ

नेवरग रीन स टी मे मूजी आ रेनबो

कॉल न बार सा द वारा

मूजी द काउ जतेक दयालु भ सकैत अछ । हुनकासँ बेसी दयालु कोनो आन प राणी नह अछ । एक द न भोरे मेल आब गेल तऽ ओ धीरेधीरे रेनबो बछड । क संग खेलाइत छलीह । क सान टेड एकर जाँच करय लेल गेल ।

मूजी अहाँक लेल क छु अछ क सान टेड मेलबाँक ससँ फोन केलक । अपनऽ नाम के आवाज सुनी क मूजी दौड ी क क सान टेड के पास पहुँची गेलै ई बात के थ यान रखते हुअं क कोनो भी चीज पं कदम नै रखै । क सान टेड ओकरा एकटा ल फाफ थमा देलकैक ।

भीतरक कागज कहलक .

प र य मूजी ।

हमर नाम ताल या अछ आ हमरा अहाँक मदद चाही कृपया नेवरग रीन स टी के एटल रोड पर आऊ ।

न ष ठाँसँ

ताल या

हम म म ... हमरा आश चर य लगैत अछ जे की गलती अछ मूजी बाजल । ताल याक मदद करब दयालु होयत । आ ते मूजी रेनबो आ क सान टेड अपन ट रक मे नेवरग रीन स टी द स व दा भेलाह ।

तीनू गोटे शहर देखबासँ पह ने मूजीकेँ नेवरग रीन स टीक भयावह दुर गन धक गंध आब रहल छलन । भयंकर छल आ जखन क मूजी जोरजोर सँ नह कहतीह ओ पह ने सँ देखैत छथ एर गंध करैत छथ जे ताल या क एक ल खलन । देखैतदेखैत ओ सभ शहर मे प रवेश क लेलक ।

शहर मे एटल रोड भेटल । क सान टेड घर १५४ के दरबज जा खटखटौलक आ ताल या दरबज जा खोललक । अहाँ सब गोटे के आबै के लेल धन यवाद ताल या आशाक भावसँ बाजल ।

हमरा सभकेँ मदद करबामे खुशी अछ मुदा की करब इंद रधनुष पुछलकै । सब सोचलक ।

तखने मूजी उत सुकतापूर वक एकटा कचरा ड ब बा मे झाँक लेलक । एकटा नेबोक कोर छोड खाली छल ।

से त अछ मूजी खुशीखुशी मुँद लेलक । कोल न एह वाक यांश केँ च त र मे एन मेट करय चाहैत छथ ।

अहाँक की मतलब अछ ताल या पुछलकै ।

कचरा उठाबय लेल कचरा ड ब बा के उपयोग क सकैत छी मूजी जबाब देलक ।

इंद रधनुष कहलकै ई कोनो खराब व चार भ सकै छै । हमरा सभकेँ नह बुझल अछ जे ओ सामान कत रहल अछ ।

हम म म... आह हमरा लग बस ट रक मे ओ चीज अछ क सान टेड ट रक स दस ताना आ हड पन हार ल क बाजल ।

एक बेर एटल रोड खतम भेला पर टीम जयजयकार केलक तखन ओ सभ शहरक बाँकी भाग देखलक ।

हम सभ आब कह यो समाप त नह करब ताल या कराह उठल । कोनो तरहेँ नह नह कोना

मूजी कहलकै हमरा सभकेँ हार नह मानबाक चाही। शायद शहरसेँ मदद भेटबाक चाही।

बड नीक व चार मूजी मुदा कोना ताल या पुछलकै।

मूजी आश वस त करैत अछ चंता जुन करू ताल या हमर योजना अछ ।

मूजी चलैतचलैत टाउन स क वायर धर

आ धीरेधीरे हवा मे भरय लागल

आ एक बेर मूजीक देह एकटा व शालकाय गोला छल

एकटा छोट सन आवाज न कलल पह ने त सुनबा मे कठ न।

तखन आवाज एखनो बेसी जोर सेँ ब ैत गेल

जाबे तक ई बहुत ऊँच आ सुपर खरखर नै छल

आबादी बाहर आब गेल आवाज सुन जे नव छल

मूजी जे आवाज बनौने छल जे आवाज के नाम सेँ जानल जाइत छल

मूओओओओओओ कोल न एह शब द केँ च त र मे एन मेट करय चाहैत छथ ।

मूजी के मूरुक गेलै त सब लोक सवाल पूछैत ओकरा द स ब गेलै। तखन ताल या

बाहर आब समस या बुझेलन । शहरी लोक के बुझायल जे हुनकर शहर गंदगी अछ आ...

मदद करबाक न र णय लेलक।

अंततः पूरा शहर साफसुथरा छल आ शहरक लोक मूजीक जयजयकार केलक।

मूजीक लेल ह प ह प हर रे

आ ते मूजी आ ताल या अपन व दाई साझा केलन ।

ताल या बाजल अलव दा मूजी।

मूजी बाजल अलव दा ताल या। अहाँकेँ कह यो मदद चाही तँ बेझ झक हमरा सभसेँ पूछू।

आ ते मूजी रेनबो आ क सान टेड नेवरग रीन स टी छोड दैत छथ

... यद यप मूजी केँ नाम बदलबाक आवश यकता बुझायल।

लेखक के बारे में १.

कॉल न बार सा बारह साल के बच चा छै जेकरऽ द ल कांस य शायद चांदी के छै । मस तीक लेल पोथी बनेबाक इच छा छलन यद यप हुनका कोनो अनुभव नह छन ।

क सान टेड के बारे में

हँ क सान टेड असली छथ आ ओ मूजी ब रांड बनौलन ओ बहुत दयालु छथ आ कोल न केँ मूजीक क ताब बनेबा मे हुनका बहुत खुशी भेलन ।

पुस तक के पीछे १.

जखन मूजी इंद रधनुष आ क सान टेड के ताल या नाम के ककरो मदद मांगय वाला च ट ठी भेटैत छन त हुनका सब के पता चलैत छन जे हुनका सब के हुनकर मदद करय पड त की मूजी आ दोस त नेवरग रीन स टी के सफाई क सकैत छथ आक बेसी गड बड ी अछ

मूजी आ ब ग अग ली बग

बड का मूजी गाय दयालु अछ जेना भ सकैत अछ ।
हुनकासँ बेसी दयालु कोनो आन प राणी नह अछ ।

एक बरसातक द न कोठी मे घर मे छलीह हुनकर सभ रूममेट मूक
क क दूर भ गेल छलीह.

सुग गर सभ फूफकारैत छल आ थालकादोक पाई बना रहल छल ।
घोड । सभ गर वसँ कनफुसकी आ ट रॉट क रहल छल।

बकरी सभ मस ती मे एक दोसरा के बट क रहल छल।
बू माँ बतहा कूकैत बाजल सब दौड ू

की गलती छै माआआय हम सब पूछैत छी कोठी मे बकरी सब बाजल।
बतहा कूकैत बाजल ई बग अछ आ हमर मतलब अलार म करबाक नह अछ

मुदा ई कीड । पैघ अछ जलखई लेल बहुत पैघ अछ ।
घोड । चीत कार करैत बाजल हम एकरा स क व श क देब तँ बस अपना केँ पाछू ठा भ जाउ.

सुग गर सभ ओइंक केलक ओह यक ओ एकटा पैघ कुरूप कीड ।
अछ जकर दू टा सींग अछ कारी भृंगक मग पर रोमांट क फीलर अछ

घोड । ऊँच उठौलक अपन टांग मांसल आ दुबला गाय च च या
उठल मूजी जल दी सँ दृश य पर आब जाउ

मूजी कानैत बाजल रुकू जेना घोड ।क खुर जमीन पर खस पड ल।
सब जानवर अपन साँस रोकने छल गोलगोल जमा भ गेल छल।

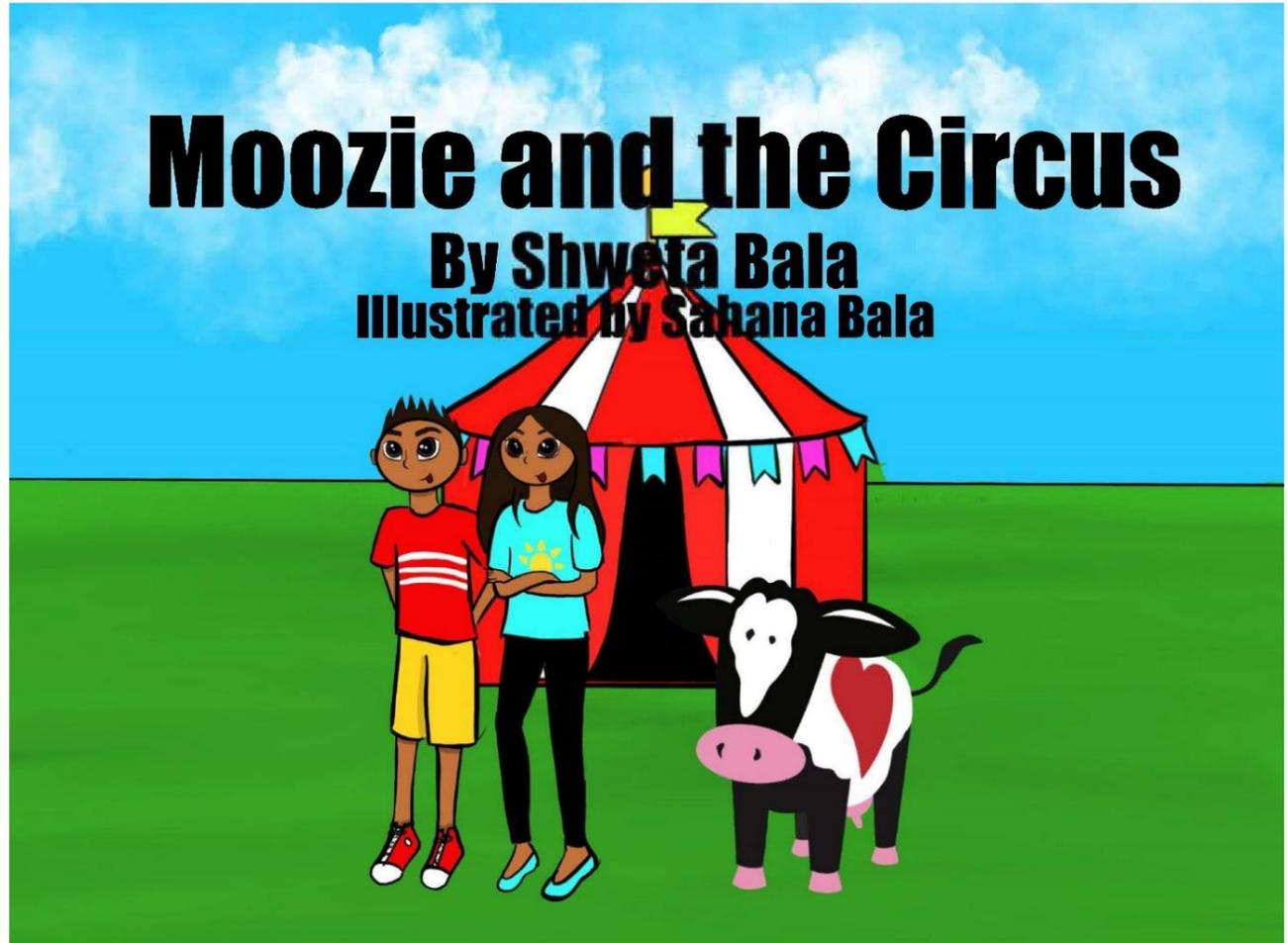
मूजी गंदगी पर धक का मारलक आ पैघ कीड । रेगैत बाहर न कल गेल।
सब जानवर हाँफैत एकटा च च याहट छोड लक

ओह भगवान हमरा सभ केँ माफ करब... मूजी हमरा सभ केँ रुकबाक लेल
कहलन मुदा पैघ कीड ।मकोड । चंचल आ डरावना होइत छैक ने

मूजी अपन दयालु कोमल स वर मे शुरू केलन क ताब
जकाँ कीड ।मकोड । केँ मात र रूपरंग सँ नह आंकल जा सकैत अछ ।

हमरा सब के गहीर तक देखय पड त आ देखय पड त जे कीड । सेहो नीक भ सकैत अछ .
नीक के खोज सब क छु अछ जेना हमेशा हमरा सब के करबाक चाही।

कीड ।मकोड । सबहक लेल सहायक भ सकैत अछ
देखू पृथ वी पर ओकर अपन स थान सेहो अहाँ जकाँ अछ हमरा जकाँ.



मूजी आ सर कस

श वेता बाला द वारा
सहना बाला द वारा सच त र



अंततः एतय आब गेल अछ अजान जागू अयना अपन कवर फर श पर फेक क च च या उठलीह.

गर मी के गरम भोर छल आ अयना उत साह त छलीह क याक त आई बहुत खास द न छल। अयना आ अजान जुड वाँ बच चा छल। अयना सद खन अपन वृत त क पालन करैत छलीह जखन क अजान तार क क व चारक बेसी छलीह। दुनू गोटे के सब क छु एक संग करब... सब क छु मुदा भोरेभोर उठब।

अजान धीरेधीरे अपन कम बल उतार तान लेलक। एतय की अछ की हम फेर ओछाओन पर जा सकैत छी

मजाक क रहल छी अयना उत साह त भ क च च या उठल। आइ हमर सभक जन मद न अछ अजान अचानक बहुत चौड । मुस कान करय लागल।

ओह एतेक द न स एह द न के इंतजार क रहल छी नीचाँ जा कऽ खाइ जलखई आ फेर खूब मस ती करब अजान उद घोष केलक।

अयना आ अजान एक संग चलय लगलाह ई सोच जे हुनका सभ केँ जे मजा आओत।



हर साल जन मदन पर मातापिता हुनका सब के अपन पसंदीदा सरकस दसरकस ऑफ फन देखय लेल लजाइत छलाह।

ई बर थडे शो एखन धरके सबसँ नीक शो होमय जा रहल अछ अयना अपन पेनकेक गोलमटोल करैत चचा या उठलीह। सुनलहुँ हाथी सभक संग सपेशल शोक रहल छल।

हुनका लोकनक पापा मुसकुराइत जवाब देलन एकटा आओर बात सेहो अछ जे होयत एह यातरा केँ अहाँ दुनू गोटेक लेल सबसँ नीक बनाउ। हमरा सभकेँ बैकस टेज जाकस सरकस टरेनर सभसँ भेट करबाक अनुमत अछ।

अयना ई सुन लगभग अपन थारी टेबुल पर सँ खसा देलक। ओ सभ दुनू गोटे जाय लेल एतेक आतुर छलाह। दुनू जल दीजल दी जलखई खाक गाडि दसवदा भेल।



ओतय पहुँचला पर शो शुरू होबय सं एक घंटा पह ने समय छल ते ओ सब ओह ठाम घुमबाक न र णय लेलन . घुमैतफ रैत अजान केँ जमीन पर एकटा थाकल ग लहरी देखलक जे ह ल नह सकैत छल । अयना आ अजान तुरन त ओह बेचारा जानवरक मदद लेल दौड ल। ओ सभ धीरेसँ ग लहरीकेँ उठा छाहर मे घासक कोमल ब छौन पर राख देलक। अयना पान क बोतल आ क छु एकोर न जमीन पर ल क ग लहरीक आगू मे राख देलक। ग लहरी जल द ये तानय लागल आ पान के चुस की लेबय लागल। तखन ओकरा क छु ऊर जा भेट गेलै आ ओ आगू ब य लागल। मूजी नाम केरऽ एगो देखभाल करै वाला गाय न ई सब हरकत क पास केरऽ झाड ी सं देखलकै आरू ओकरा पता चललै क अयाना आरू आजन वू लोग छै जे सर कस मं दुर व यवहार के श कार जानवरऽ क बचाबै वाला छै । मूजी न र णय लेलक जे शो समाप त हेबाक इंतजार करब आ फेर हुनका लोकन सं गप प करब.



पर दा खुजल तऽ अयना आ अजान देखे चक त भऽ गेलाह
हाथी गोला पर गुड कैत अछि जानवर घेरा मे कूदैत अछि आ कलाबाज कतेको हाथक
ठा करैत अछि । एकटा शानदार प रस तुत के बाद अयाना आ अजान अपन मातापिता
के कहलख न जे कछु म नट मे वापस आब जेताह आ मंच के पाछू चल गेलाह जतय
ओ सब मूजी के देखलन । अजान च च याबय बला छल मुदा मूजी ओकरा रोक
क अपन पर चय देलक।

मूजी शानत भावसँ बाजल नमस्कार अयना आ अजान। कृपया डरब
नह । हम मूजी छी। जखन कसर कस देखय मे मजा अबैत अछि मुदा करय वाला जानवर
के लेल मजेदार नह । अहाँ दुनू गोटे बहुत दयालु आ बुद्धिमान बच्चा बुझाइत छी।
हमरा संग आऊ हम बुझा देब।

अजान असमंजस मे छल जे सर कस जानवर के क एक चोट पहुंचा रहल अछि आ...
मूजी के साथ कयैक जेबाक चाही मुदा अयाना के मना लेला के बाद आखरकार ओ जेबाक
लेल तैयार भ गेल।



मंच के पाछू आगू ब ैत गेलाह एकटा पर दा के पाछू नुका गेलाह आ...
देखलक जे चालचाल करबाक चक कर मे जानवर सभ केँ कोड । मार क चोट खाइत
अछ । हाथी सभ कराहैत छल आ बानर सभ च च या रहल छल ।
अयाना अजान आ मूजी बेसी काल रुकल आ देखलक जे जा धर ओ सभ अपन काज नह
क लेत ता धर जानवर सभ केँ खुआ नह देल जा रहल अछ । ओ सभ देखलक जे
जानवर सभ सेहो ट र क करैत खुश नह अछ । फ सलन गोला पर संतुलन नह बनेबाक
कारणें हाथी सभकेँ मारल जाइत आ छोटछोट घेरा सभसँ बानर सभकेँ कूदब नह देखब बहुत
कठ न छल ।

अयना कानय बला छल मुदा तखने मूजी ट प पणी केलक ई जानवर सभक संग
एहन व यवहार भ रहल अछ जेना कोनो जीव नह हो। अहाँ दुनू गोटे मदद क सकैत छी। ई
जानवर सब अपन मनोरंजन के लेल आबय वाला मनुष य के मनोरंजन के लेल बहुत क छु स गुजरैत
अछ ।



अयना आ अजानन यंत रणलेबाकन रणयलेलक।
अयना आवाज देलक रुकू जानवर सभकेँ चोट नह पहुँचाउ
ट रेनर असमंजस मे बाजल अहाँ एतय की क रहल छी अहाँ नह छी
एतय रहबाक चाही। अहाँ अभनेताक बैकस टेज एर या मे रहबाक चाही
अजान च च या उठल बस हमरा सभक बात सुनू अहाँकेँ जानवर सभकेँ चोट नह पहुँचेबाक चाही।
परशकषक जवाब देलख न ई जानवर सब एकदम नह सुनत अजान
जबाब देलकै सेत एह लेल जे अहाँ ओकरा सभक संग जानवर जकाँ व्यवहार नह कर रहल छी।
अहाँ हुनका सभकेँ चोट पहुँचा रहल छी आ हुनकर पर्यासक इनाम तक नह दऽ रहल छी।
जानवरो मे हमरा सभ जकाँ भाव होइत छैक। की अहां कोनो एहन जगह पर बना भोजन या बरेक के काज क सकय
छी जे अहां के पराकृतक आवास नह होए आ एकर अतरकत एहन काज करू
जाह मे अहाँ वास तव मे खुश नह छी

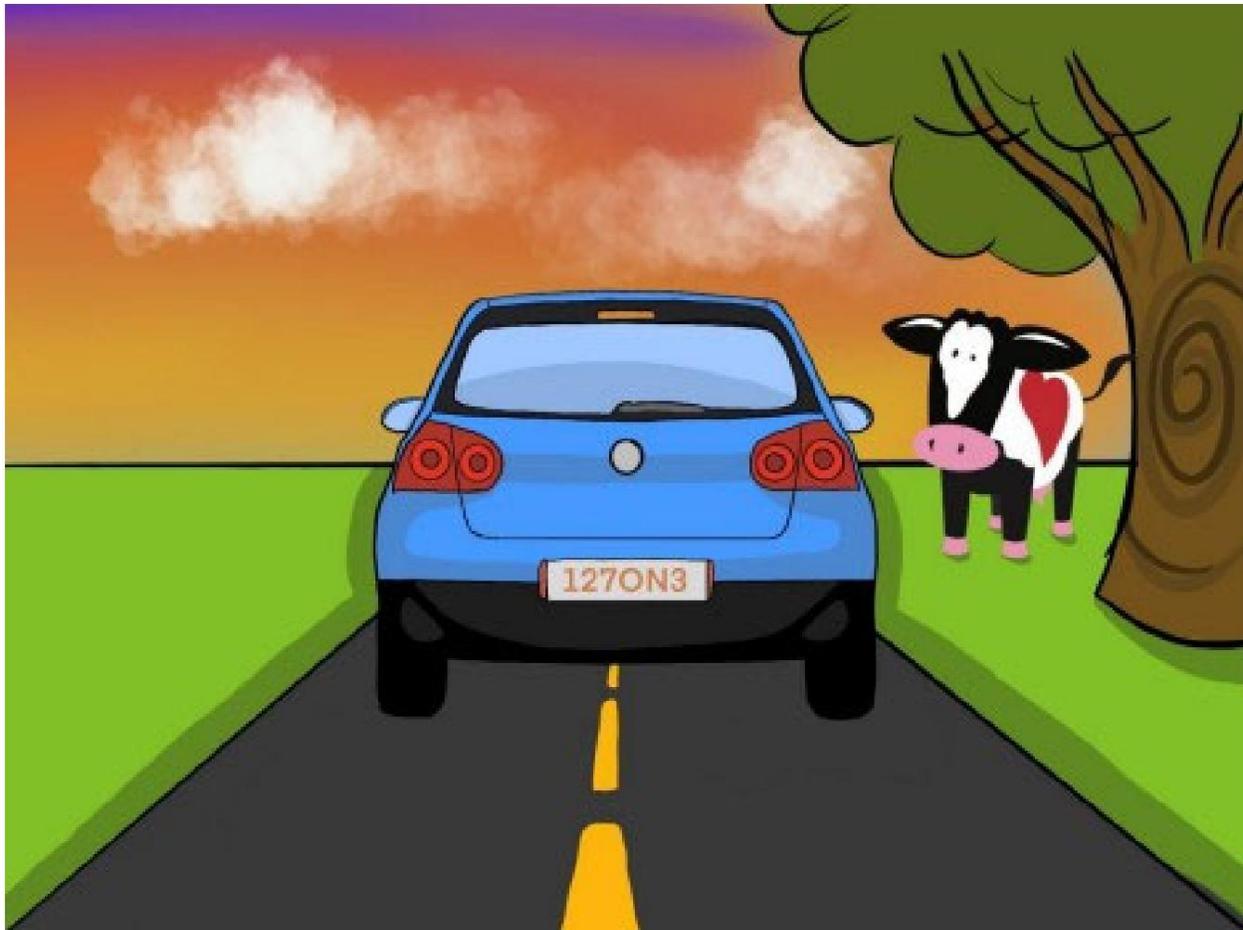


ट रेनर आह भरैत सोचलन । अंत मे ओ न र णय लेलक जे ओ सब सही कहैत छथ ।

अयना आ अजान दुनू गोटे म ल कय बजलाह जानवर पर दया करब मोन राखू

प रश क षक मुस कुराइत बयान देलन हमरा मोन पाड बाक लेल धन यवाद। हम पह ने जानवर पर एतेक दयालु होइत छलहुँ आ आब हमरा द स देखू हम ओकरा सभकेँ कोड । मार रहल छी आ मार रहल छी। हम हुनका सभक संग नीक व यवहार अवश य करब। चूँक अहाँ बच चा सभ हमरा मोन पाड लहुँ जे असली जानवर प रश क षक केहन हेबाक चाही तँ की अहाँ जानवर सभकेँ पालतू बनाबए चाहब

अयना आ आजन जल दीजल दी मान गेलै आ एकएक क सभ जानवर के पालतू बनाबय के मौका म ललै। ओ सभ ई देख बहुत खुश भेलाह जे आब जानवर सभक संग कोनो खराब व यवहार नह होयत।



वापस गाडीक सवारी पर ओ सब अपन मातापिता के सब कछु बता देलखन।

अयना आगू बजलीह अगला बेर त केहन लागत जे हम सभ एहन सफारी मे जाइ
जतय जानवर सभ के अपन आवास मे मुक्त क देल जाय

हुनका लोकन कम मी हुनका सभ के देख गर व सँ मुस कान देलन । ओ जबाब देलन पक का। हम सोचए छी
जे एकटा अदभुत वकल्प अछ । वैसे सर कस स बेसी सफारी चुनबा लेल की छल

ओह ई त बस हमरा लोकन क बैकस टेज अनुभव सँ छल। अजान मूजी के बारे
मे सोचते जवाब देलकै।

मूजी आ सर कस के न र माता के बारे में

श वेता बाला में साल के छलीह जखन ओ मूजी एंड द सर कस ल खने छलीह आ एकटा ऑनलाइन स कूल लॉरेल स प र ंग स स कूल में वी कक षा के छात रा छलीह.

श वेता केरऽ बह न सहना बाला न १५ साल के उम र मं आरू कैल फोर न या केरऽ सैन जोस केरऽ ल नब रोक हाई स कूल मं ९वी कक षा के छात रा के रूप मं कहानी के च त रण करलकै ।

मूजी आ च ल ड रेन काइंडनेस नेटवर क के लेल हुनकर दयालुता के काज अछ

कथा १.

- “ म या आ मूजी
- “ मूजी के दयालुता के जादू
- “ मूजी के सकारात मक शब द
- “ मूजी आ सर कस

कब ता

- “ मूजी कव ता

पहेली १.

- “ मूजी शब द खोज
- “ शब द के अनस क रैम बल करू

पोस टर कोव ड महामारी के समय प रारम भेन र म त १.

- “ मूजी कहैत छथ मास क पह रब
- “ मूजी हाथ धोबैत अछ

मूजी दयालु कार य के खोज करैत अछ

मूजी नामक एकटा गाय छल ।
जे दयालु आ मधुर छलाह
ओ कोनो दयालुताक काज तकैत छलीह
व यस त गली मे सेहो

एक द न सड क पर रहैत हुनका एकटा
घायल पालतू जानवर भेटलन मुदा
एकटा छोटका लड का सेहो देखलक जे
पशु च क त सक के बजा रहल छल।
मूजी ई नीक काज देखलक आ ई काज दयालु
बुझलक छोटका लड का द स तकलक आ
ओकरा मोन मे मोन पड लैक।

मूजी अपन यात रा जारी रखलक चुभन भरल
मधुमाछीक माध यमे जाबे तक ओकरा कोनो
दयालुता के काम नै म ललै जहाँ एक लड की गाछ के
देखभाल करी रहलऽ छेलै मूजी के ई काम पर नजर पड लै
आरो संतु ट आरो प रसन न होय
गेलै वूलड की के नोट करी केँ आगू ब लै
मन आराम से।

मूजी गाँठल घास के बीच से धक का मारलकै चरखी से
ऊपर उठै के इच छा से लेक न देखतेदेखते
ओकरा एगो गाँव म ललै जहाँ एक
लड का एगो दोस त कें दबंग से बचाबै छेलै।
मूजी ई काज देखलक आ
बहुत गदगद सेहो भेल ओ लड काक
एकटा नोट केलक आ कतहु नव ठाम
आगू ब गेल।

मूजी खोजलकै आरू खोजलकै आरो
जल द ये एगो एक ट
म ललै जहाँ एगो लड की खुद कं अच छा बात कहै
छेलै जेकरऽ सकारात मक प रभाव पड लै।
मूजी ई देख बहुत रोमांच त भ गेलीह आ
संगह गदगद भ गेलीह ओ
लड कीक नोट केलन आ जतय
सँ लड की पाठ केने छल ओतय सँ आगू ब गेलीह.

मूजी बहुत खुश छल आ एकटा
एहन एक ट खोजैत रहल जे नव छल ओ आइ धर खोज
रहल अछ की ओकरा अहाँ स कोनो एक ट
भेट सकैत अछ

बाल दयालुता नेटवर क के ल ये कई रचनाओं के न र माताओं के बारे में

श वेता बाला में जखन ई सब रचना ल खने छलीह तखन साल के छलीह आ एकटा ऑनलाइन स कूल लॉरेल स प र ंग सस कूल में वी कक ा के छात रा छलीह.

श वेता केरऽ बह न सहना बाला नं १५ साल के उम र मं आरू कैल फोर न या केरऽ सैन जोस केरऽ ल नब रोक हाई स कूल मं ९वी कक ा के छात रा के दौरान कहानी आरू पोस टर के च त रण करलकै ।

मूजी आ च ल ड रेन काइंडनेस नेटवर क के लेल हुनकर दयालुता के काज अछ

कथा १.

- “ म या आ मूजी
- “ मूजी के दयालुता के जादू
- “ मूजी के सकारात मक शब द
- “ मूजी आ सर कस

कब ता

- “ मूजी दयालु कार य के खोज करैत अछ

पहेली १.

- “ मूजी शब द खोज
- “ शब द के अनस क रैम बल करू

पोस टर कोव ड महामारी के समय प रारम भेन र म त १.

- “ मूजी कहैत छथ मास क पह रब
- “ मूजी हाथ धोबैत अछ

मूजी के दयालु रोमांच

जेन मोर टन द वारा

क सान टेड एंड मूजी द वारा सहायता प राप त

जेन रॉयस द वारा सच त र

पृ ठ ।

बड का मूजी गाय जतेक दयालु भ सकैत अछ ।

हुनकासँ बेसी दयालु कोनो आन प राणी नह अछ ।

पृ ठ ।

ओ अपन पूँछसँ मक खी सभकेँ धीरेसँ झटकारैत ठाढ अछ जखन क न शान

लग तीन टा बत तखक बच चाकेँ खेलाइत देखैत अछ ।

पृ ठ ।

क छु अबैत सुनैत छथ आ कान मे चुभैत छथ ।

पृ ठ ।

आब ई की ढोलढोलकक आवाज जे सुनैत छथ ।

पृ ठ ।

मवेशी के खुर के धड कन। झुंड चलैतफ रैत अछ ।

पृ ठ ।

नीचोँ घाटी द स बढ रहल अछ ।

पृ ठ ।

मवेशी पान क गंध सुन अपन गत उठा लैत अछ ।

पृ ठ ।

तेज गत सँ चलैत ट रॉट जल द ये भगदड बन जाइत अछ ।

पृ ठ ।

जँ मूजी पूरा झुंडकेँ घुमा नह सकैत अछ तँ ओ सभ बत तखक बच चा सभकेँ ठीक जमीनमे रौद देत।

पृ ठ ।

ओ बत तखक बच चा सभकेँ वापस रस तासँ बाहर गोली मारबाक प रयास करैत

अछ मुदा ओ सभ तइयो ख लौना आ खेलाइत रहैत अछ ।

पृ ठ ।

तीनूकेँ आश रय देबाक लेल नजदीक जेबाक प रयास करैत छथ ।

हुनका सभकेँ आश रय नह देल जेतन । ओ सभ मुक त दौड ब नीक बुझताह।

पृ ठ ।

आन क यो नह अछ तँ ई सबटा हमरा पर न र भर करैत अछ ।

हमरा झुंड घुमाबय पड त। हम करब।ओ कहैत छथ ।

नजदीक आब रहल झुंड धूरा मथ रहल अछ ।

हम झुंड घुमा सकैत छी। हँ हम करब। हमरा अवश य।

पृष्ठ ।

ओ क हू हवा लैत छथ आ एखनो बेसी हवा आ जल द ये
पैघ मूजी गरम हवाक गुब बारा जकाँ फूल जाइत अछ ।

पृष्ठ ।

आ ठीक तखने जखन बुझाइत अछ जेना मूजी फट सकैत अछ एकटा
छोट सन आवाज ओकरा सँ बचैत छैक आ पह ने उउउम म म म आवाज।
ओ ओह हवा पर खीचैत छथ जे ओ भीतर गहीर धर संग रह त कएने छथ
एकटा मूओओओ कौ पठेबाक लेल जे ड वाइड धर पहुँच जायत।

ओकर मूओओओओ पहाड रीसँ बूमबूम करैत ताकत जुटा लैत अछ ।
ओ एतेक जोरसँ गुनगुनाइत अछ जे झुंड रुक जाइत अछ आ ठाढ भ जाइत अछ । Mmmmmmmmmoooooooo

पृष्ठ ।

गरज सन जोरजोर सँ गूँज मवेशी मे भय भर दैत अछ ।
झुंड घुमैत अछ हर बछड आ बछड ।।

पृष्ठ ।

नव बाट पर पान द स घुम जाइत अछ जखन क तीन टा छोटछोट
बत तखक बच चा स नानक काज मे लाग जाइत अछ ।

पृष्ठ ।

बतहा माँ क वाक करैत अछ हमर चालक दल कौ बचाबय लेल धन यवाद।
अहाँसँ बेसी दयालु कोनो आन प राणी नह अछ ।
हम मात र एकटा गाय छी। ई सबटा हमरा पर न र भर छल।
हम झुंड जरूर घुमा देल यैक आ अहाँक स वागत अछ । ओ कहैत छथ ।

मूजी के जादू
दयालुता के संदेश के साथ एक रंग भरने वाली क ताब
सारा बेक द वारा
केटी ओल सन द वारा सच त र

पृ ठ ।

एक बेर
अहाँक जकाँ घर मे एकटा बहादुर छोट
बच ची रहैत छल जेकर आँख
भूरा आ घुंघराला छलैक ।

पृ ठ ।

ओ सद खन बहादुर नह छलीह
बस भीड मे एकटा चेहरा मूजी द काउ
नामक जादुई दोस तक संग।

पृ ठ ।

आब मूजी आलीशान भ गेल छल
बस एकटा भरलपूरल छोट गाय
हृदय के आकार के गुच छा के साथ
भौह पर केशक।

पृ ठ ।

मुदा जखन कखनो लड की
अन श च त वा डरैत छल
रात मे लेटैत मूजी केँ फुसफुसाइत बजलीह।

पृ ठ ।

आब एक रात लड कीक मोन मे
एतेक क छु छलैक
क ओ जतेक प रयास केलक ओतेक
गप प करब नह छोड सकलीह।

पृ ठ ।

आ मूजी बस पह ने तऽ कानैत सुनैत रहल

क ओकर स कूलक बच चा सभ क रूर आ
अदयालु छल।

पृ ठ ।

ओ बजलीह ओ सभ नीच छथ ।

आ हमरा बुझल अछ जे ई गलत अछ
मुदा हम कह यो पक नह लैत छी

हम तऽ बस संग मे चल जाइत छी।

लड की बाजल एकटा लड का अछ ।

आ ओकर नाम फ न छै।
ओ कन अलग छथ
ओ एह मे फ ट नह होइत छथ ।

पृ ठ ।
हमरा लगैत अछ जे ओ नीक
लगैत छथ आ हम दोस ती करय चाहब
मुदा जँ आन बच चा सभ हमरा हुनका जकाँ
च बैत अछ तँ की हेतै

पृ ठ ।
ओ बजलीह ओह मूजी।
जँ अहाँकेँ बुझल रहैत
जे हमर कतेक इच छा अछ
हमरा ठीके बुझल छल जे की करबाक चाही।

पृ ठ ।
तखन अचानक पलक झपकैत मूजी
जुगनू जकाँ चमकय लागल।

पृ ठ ।
नाजूक बूम आ प रकाशक
झ लम लाहट के संग
मूजी ठीक ओतह सादा नजर मे
ठा छल

ड रेसर जकाँ लंबा .
ओछाओन जकाँ चौड ।
हृदय के आकार के गुच छा के साथ
माथ पर केशक।

पृ ठ ।
हमर म त र मूजी मूएड।
अहाँ हमरासँ मदद मँगलहुँ अछ
दयालु बनब सीखबाक लेल
फ न आ अपना केँ।

पृ ठ ।
आ हम क छु गुर सीखलहुँ अछ
गाय के रूप में हमर जीवन में
मुदा हम सत य कहब
अहाँकेँ पह नेसँ बुझल अछ जे कोना।

पृ ठ ।
जखन दुन याँ अदयालु अछ

आ अहाँकँ नह बुझल अछ जे की करब
सोचू जे अहाँ केहन चाहैत छी
पूरा दुन याँ अहाँक इलाज करबाक लेल।

पृ ठ ।

ओ कहला जे इ एकटा साधारण न यम
अछ जेकर परीक ण करब आसान अछ ।
बस अपन हृदयक बात सुनू
अहाँकँ भेटत जे ई बेसी नीक जकाँ जनैत अछ ।

छोटकी बच चीक नोर ओकर
ठुड डी पर सुख गेल छलैक
जखन ओ मूजी द स तकलीह आ मुस कुराइत
बजलीह

पृ ठ ।

की सचमुच अंत मे ओतेक सरल
अछ
पक का नीक रहत
नव म त र भेटबाक लेल।

पृ ठ ।

अहाँकँ बुझल अछ हम सोचैत आब रहल छी
हम फ नसँ पूछ सकैत छी
जँ ओ हमरा संग बीचबीच मे भोजन मे बैसय
चाहैत होथ ।

पृ ठ ।

आ मूजी मूमूमूड केलक आ ओकर
आँख चमकैत छलैक
जेना ओ हँसैत बजलीह
अहाँकँ बुझल अछ हमरा लगैत अछ जे ओ भ सकैत अछ

पृ ठ ।

लड की मूजीक कोमल गरदन मे
अपन बाँह मे राख फुसफुसाइत बाजल
हमर दोस त बनबाक लेल धन यवाद।

पृ ठ ।

ओह बच चा मूजी मूएड ।
से त हमर काज अछ आख र
जखन हमरा चाही तखन एतय रहब
फोन करला पर आबय लेल।

पृ ठ ।

बस अपन मोनकँ गाबय द यौक

आ हम एतय रहब
त फ लहाल अलव दा...
आ मूजी गायब भ गेल

पृ ठ ।
लड की एकटा घ सलप टल छोट
गाय केँ पकड ने रह गेल
भौह पर हृदयक आकारक केशक गुच छा।

पृ ठ ।
आ ओ अपना केँ छोड ैत मुस कुरा उठलीह
ब छाओन पर बहब .
जादूक सपना देखब आ नवनव
दोस त बनेनाइ।



मूजी के दयालुता के जादू

दयालु रहू

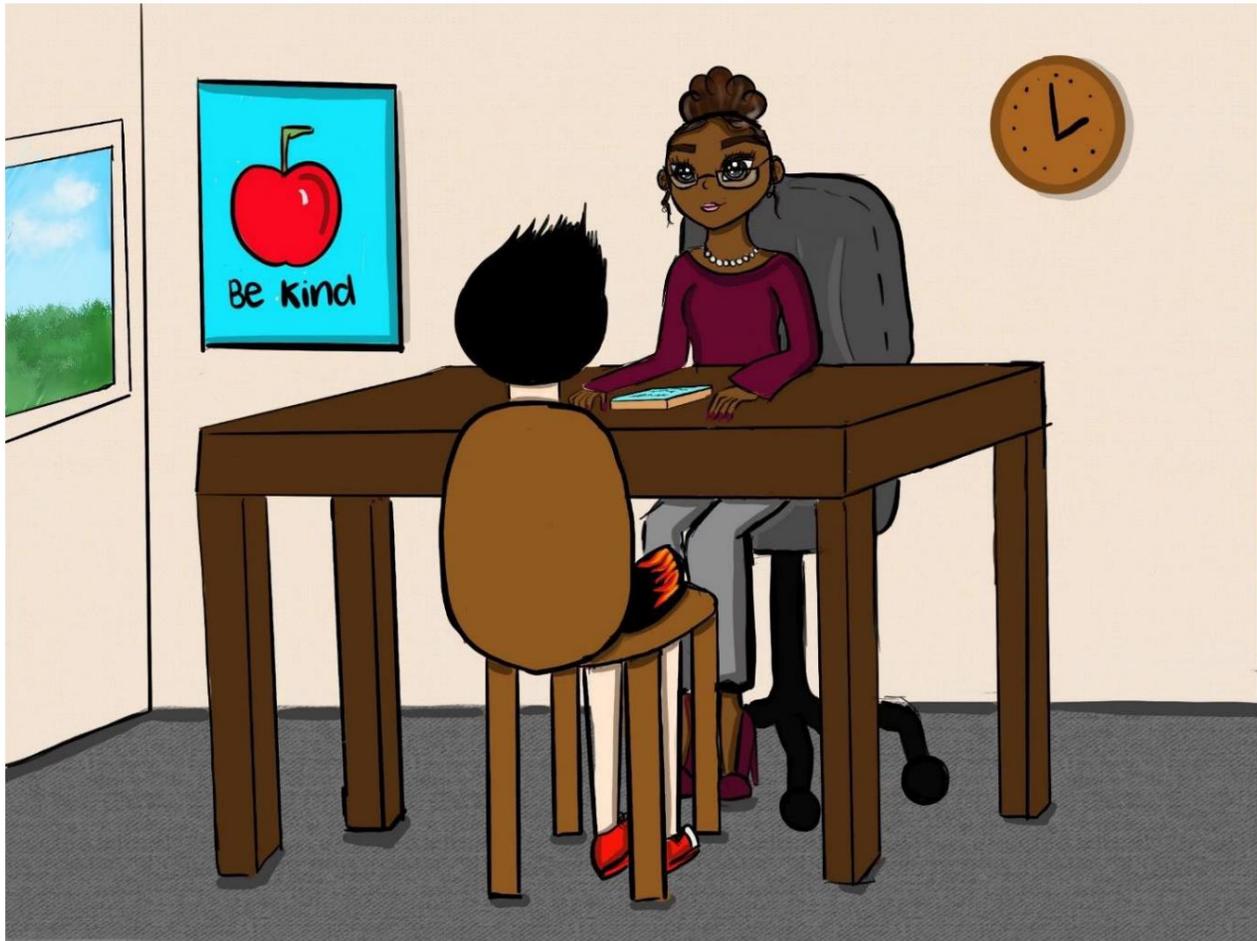
श वेता बाला द वारा

सहना बाला द वारा सच त र



टैग अहाँ छी र सेसक समय स कूलक मैदानक ओह पार दौड ैत मैक स च च या उठल। नीक आ रौदक द न छल एक दुपहर मे एतेक रास चीज खेलाइत छल।

मैक स टैग खेलाइत दौड ैत छल क अचानक ओकरा एकटा... छोटकी बच ची ठोकर खा क जमीन पर खस पड ैत अछ । जतेक क ताब पकड ने छलीह से सभटा पोथी जमीन पर छ ड या गेल छल । जमीन पर भोरका ओससँ क ताब सभ भीज गेल । मैक स ओकरा दयालु व यक त जकाँ उठय मे मदद करबाक बदला ओकरा पर हँसय लागल आ ओकर मजाक उड ाबय लागल जे ओ कतेक अनाड ी अछ . लड की कानय लागल आ ओ चल गेल। एक घंटाक बाद मैक स के प र ंस पल के ऑफ स बजाओल गेल।



मैक स पहुँचला पर प र ंस पल हग न स ओकरा स थ त बुझा देलकैक। जखन ओ बात समाप त केलन तखन ओ हुनका सँ पुछलीह अहाँ हुनकर मदद करबाक बदला हुनका पर क एक हँसलहुँ

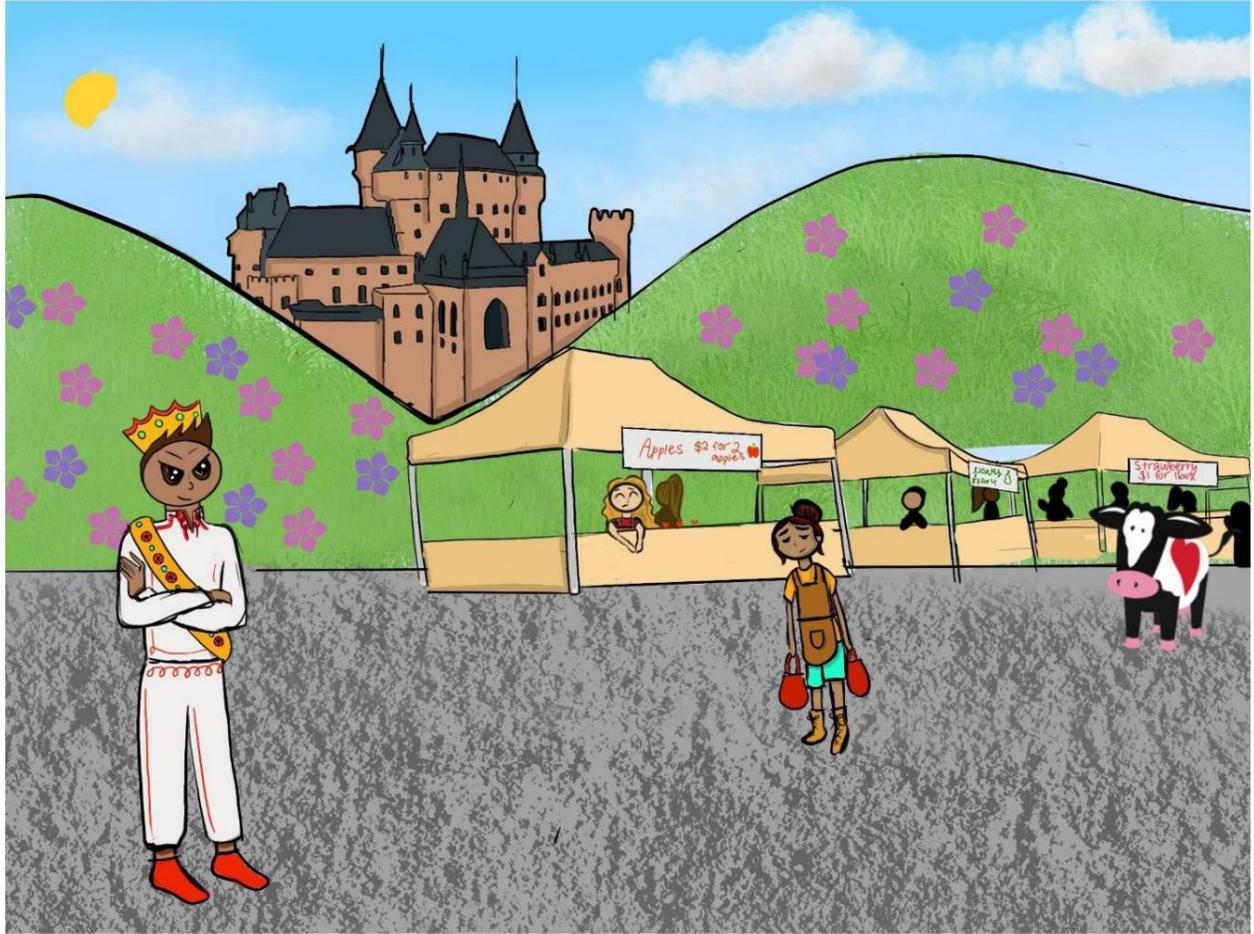
मैक स जबाब देलकै ओ सचमुच मजाक या छलीह जखन ओ चट टान पर ठोकर खा गेल छलीह।

अहाँकँ से नह करबाक चाही मैक सा। जँ अहाँ हुनकर अवस था मे रह तहुँ तँ अहाँकँ सेहो बहुत आहत होइत। अहाँकँ दोसर पर दया करबाक चाही। जेबा स पह ने एकटा पोथी अछ जेकरा प बाक सुझाव अछ । अहाँ आब जा सकैत छी।

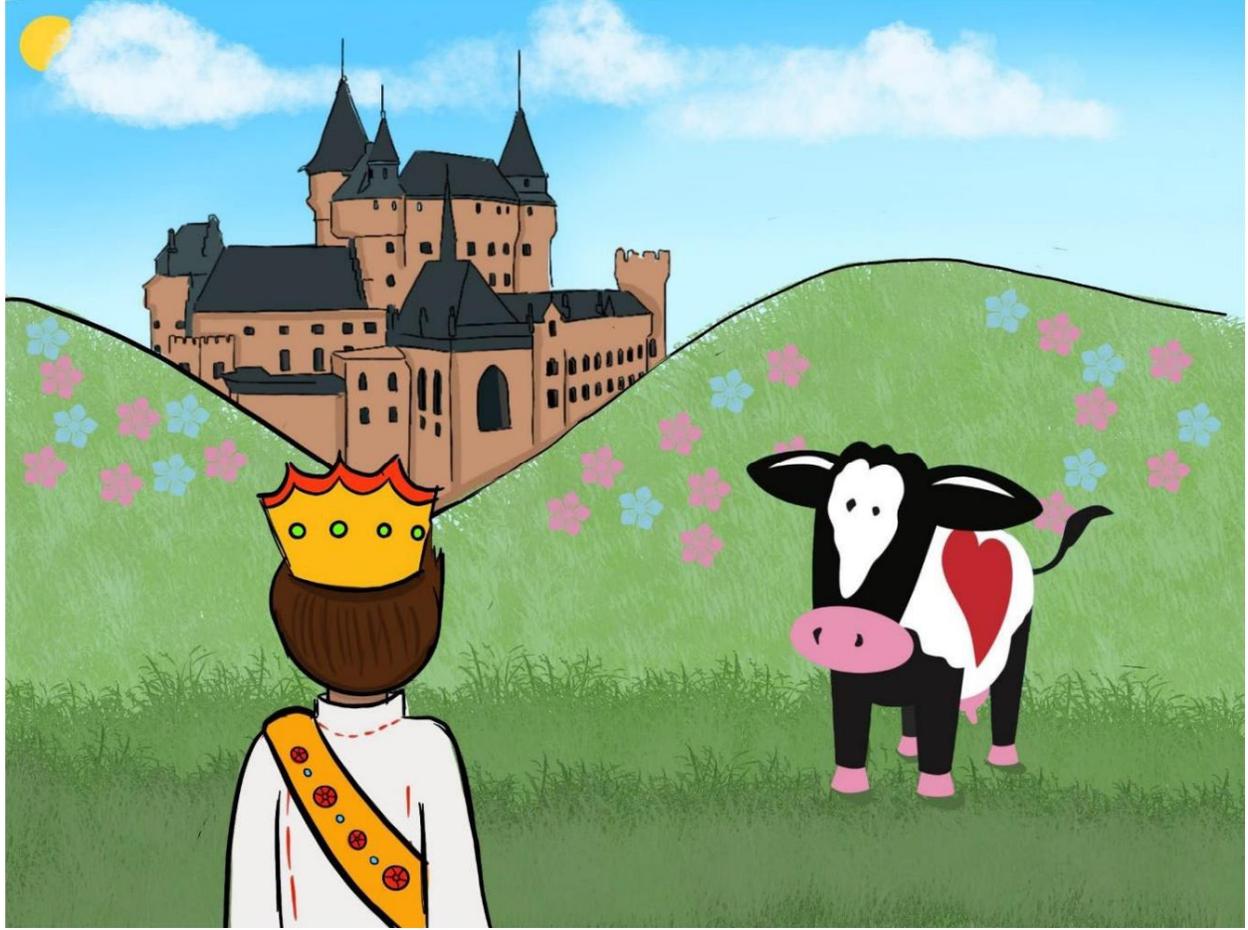
च ल मैक स ऑफ स स बाहर न कल वापस क लास द स व दा भ गेल।



बाद मे ओह साँझ मे जखन मैक सस कूलक काज समाप तक लेलक त ओ ई
न र णय करबा मे छटपटा रहल छल जे प र 'स पल द वारा देल गेल क ताब प ब क
नह . हमरा अनुमान अछ जे हम पोथी प ब क एक त हमरा लग आओर क छु
समाप त करबाक नह अछ . मैक स सोचलक। पोथी खोल प य लगलाह। कथाक शुरुआत
एह तरहँ भेल १.



एक समय में दयालुता के राज य में एकटा राजकुमार रहैत छल जेकर नाम राजकुमार ल याम छल जे अपना के सब सं नीक बुझैत छल. पह ने ओ बहुत अदयालु आ गामक लोकक आलोचना करैत छलाह । सब द न महल पर घमंड करैत छलाह आ कोना हुनका एतेक व लास ता छलन । तखन लोक के च ाबय लगैत छलाह जे बाजार कतेक गंदा अछ . हुनकर ई व यवहार बहुतो लोक केँ नीक नह लागलन ।



राजकुमारक व यवहार सुन एकटा दयालु गाय नाम भेल

मूजी ओकरा बाहर न कालबा मे मदद करबाक न र णय लेलक।

मूजी जखन ओतय पहुँचलीह त बजलीह हेलो प र ंस ऑफ द क ंगडम ऑफ काइंडनेस अहाँक बातसँ अहाँक गामक लोक आहत छथ । गामक लोक बन गाम मे टहलब। क छु आश वस त केलाक बाद राजकुमार मान गेलाह आ दुनू गोटे यात रीक भेष मे गाम मे टहलय लगलाह पह ल गामक लोक जे हुनका लोकन क भेट भेलन से छलीह इसाबेला।



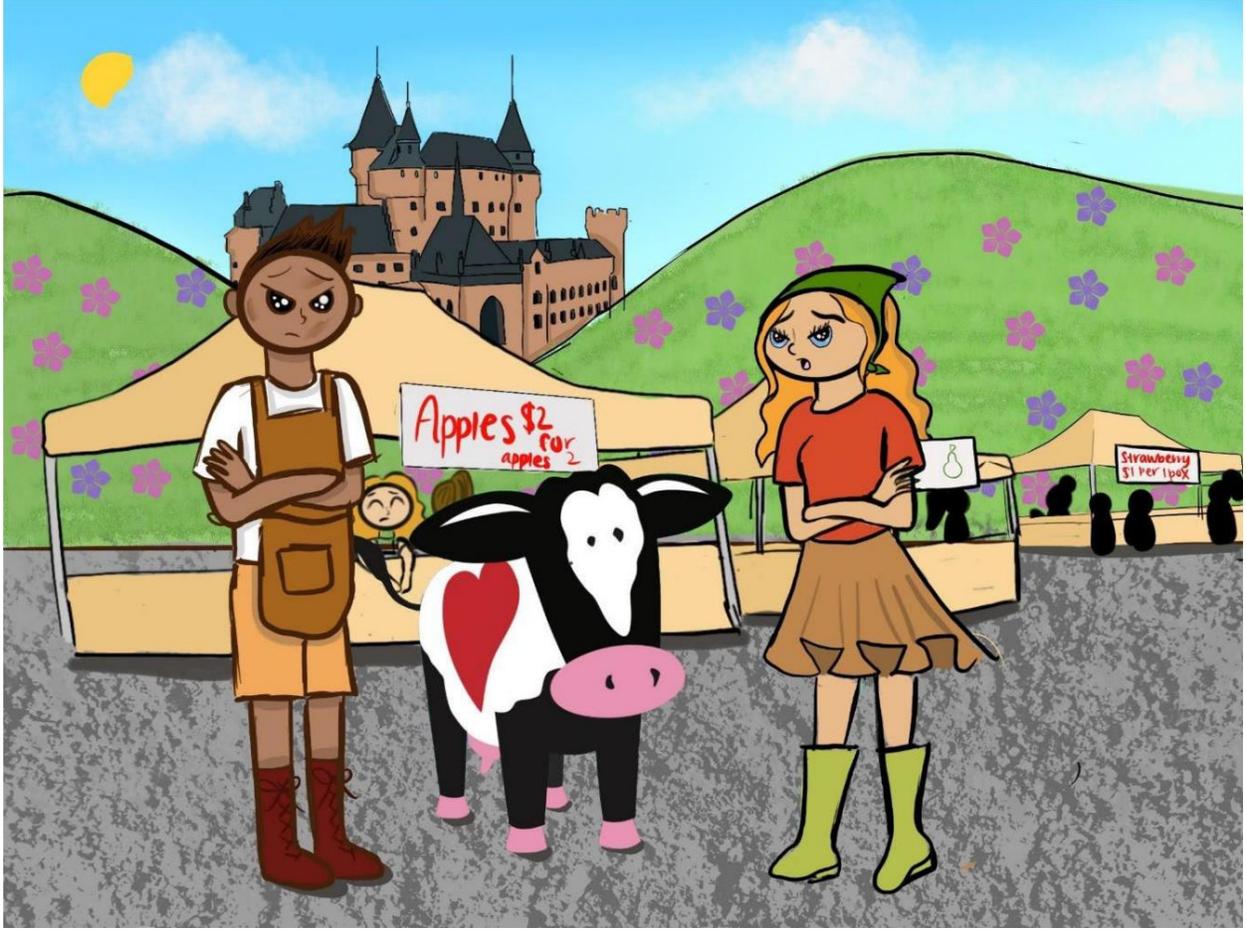
मूजी गप प शुरु केलक राज य मे केहन सुन दर द ना अहाँ सहमत नह
छी ई राज य केहन अछ हम सब एतह रहबाक सोच रहल छी।

इसाबेला जबाब देलकै हमरा क 'गडम ऑफ काइंडनेस मे धूप वाला द न सड कऽ पर
घूमना बहुत पसंद छै। ई राज य अद भुत स थान अछ । एतय हमरा एकमात रव यक त
जे नापसंद अछ ओ छथ राजकुमार। हालह मे हुनका सं भेट भेल आ आतुरता सं अभ वादन
केलहुं. हमर कपड तँ ओ धुँधला आ गंदा कहैत छल । मतलब ट प पणी हमरा सचमुच आहत केलक।
दुखक बात जे ओ हमर कपड त आ देखबा स आगू नह देख सकैत छथ । एकटा राजकुमारक रूप
मे हमरा लागल जे ओ बेसी जानताह।

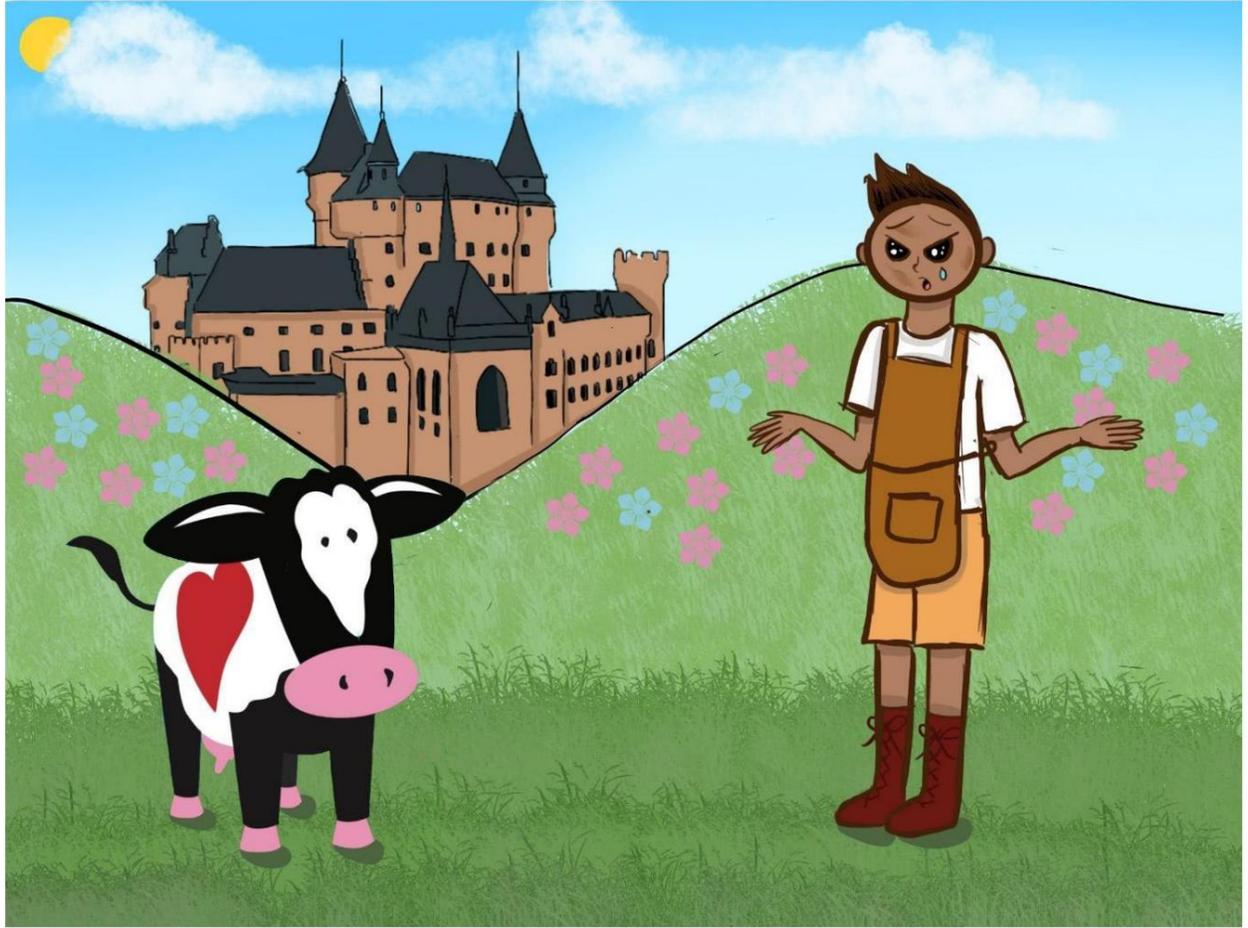


हुनका स वीकार करला के बाद ओ सब पैदल एकटा आओर गामक लोक जेम स लग गेलाह.
आ राज यक जीवनक व षय मे आकस म क गप पसप प शुरू केलन ।

जेम स मूजी के जवाब देलकै हमरा राजकुमार के छोड ी क गाँव बहुत पसंद छै।
ओ हमरा जे कहलन ताह सँ हमरा आहत भेल। प छला सप ताह जखन हमर टांग टूटल त ओ हमरा खरगोश
कहलक जे हॉप करैत अछ । हमरा ई देख कष ट होइत अछ जे हमर सभक अपन राजकुमार लोक केँ नीच
बात कह रहल छथ । दुखक बात जे ओ दोसरक दर दक सहानुभूत नह राख पाब रहल छथ । एकटा
राजकुमारक रूप मे हमरा लागल जे ओ बेसी नीक जकाँ जनताह। आब जँ अहाँ हमरा माफ करब तँ हमरा जेबाक अछ ।

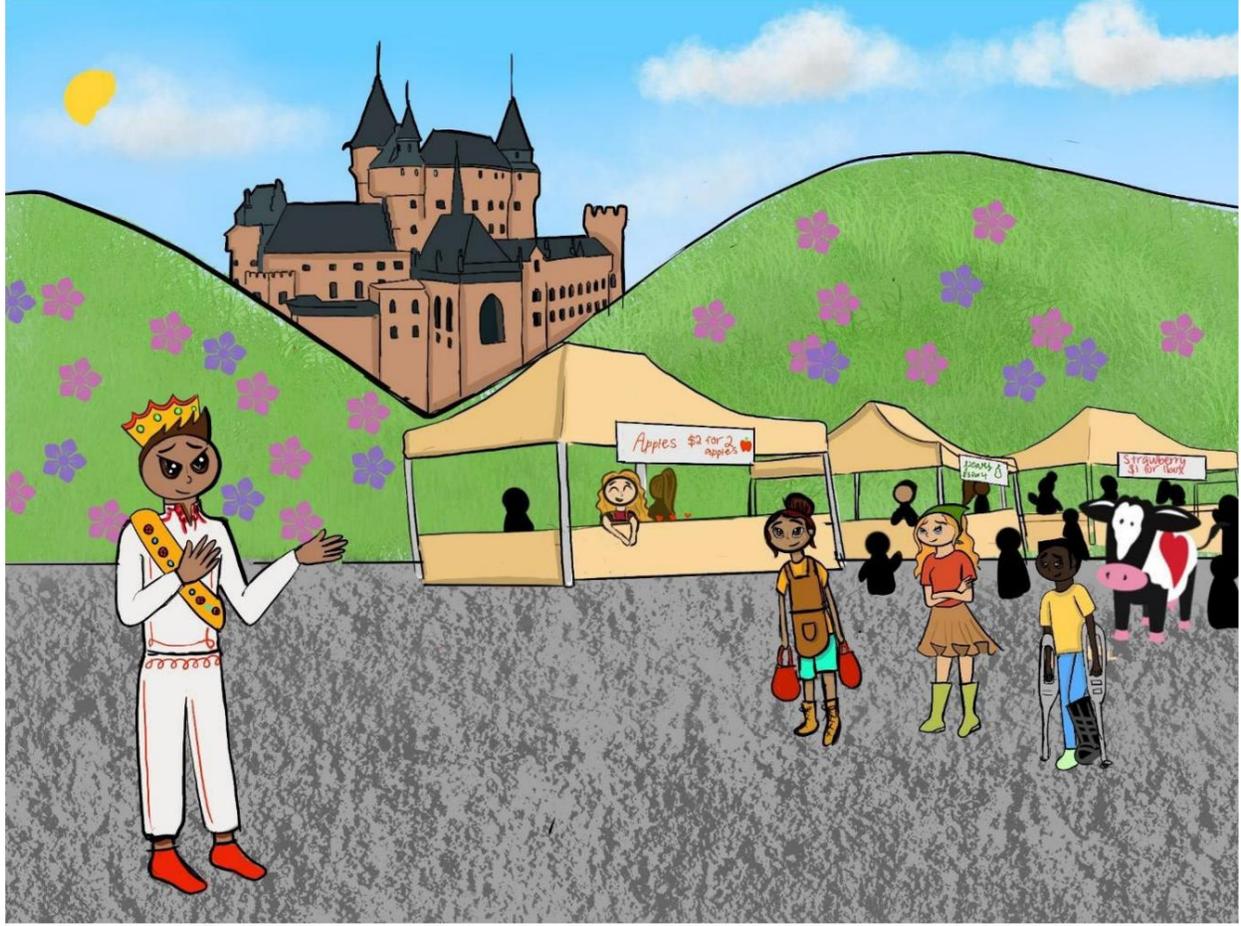


अस तु राजकुमार आ मूजी अपन पैदल यात रा जारी रखलन आ अबीगैल सं भेट केलन .
अबीगैल ट प पणी केलन राजकुमार केँ छोड सब नीक अछ । ओ सत ते छथ
दोसरक प रत नीच आ कह यो दयालु नह । जखन हम कहल यन जे हम हुनका लेल महलक
भनसा घर मे काज करैत छी आ रोज हुनकर सेवा करैत छी त ओ हमरा कहलन जे हुनका कह यो
ई बुझबा मे नह आयल जे हम महल मे काज करैत छी आ हमरा कहलन जे हमरा नौकर बनबाक लेल बनल
अछ । दुखक बात जे ओ लोकक काजक आधार पर नीचाँ देखैत छथ आ मेहनतक कदर करबा मे
असमर थ छथ ।



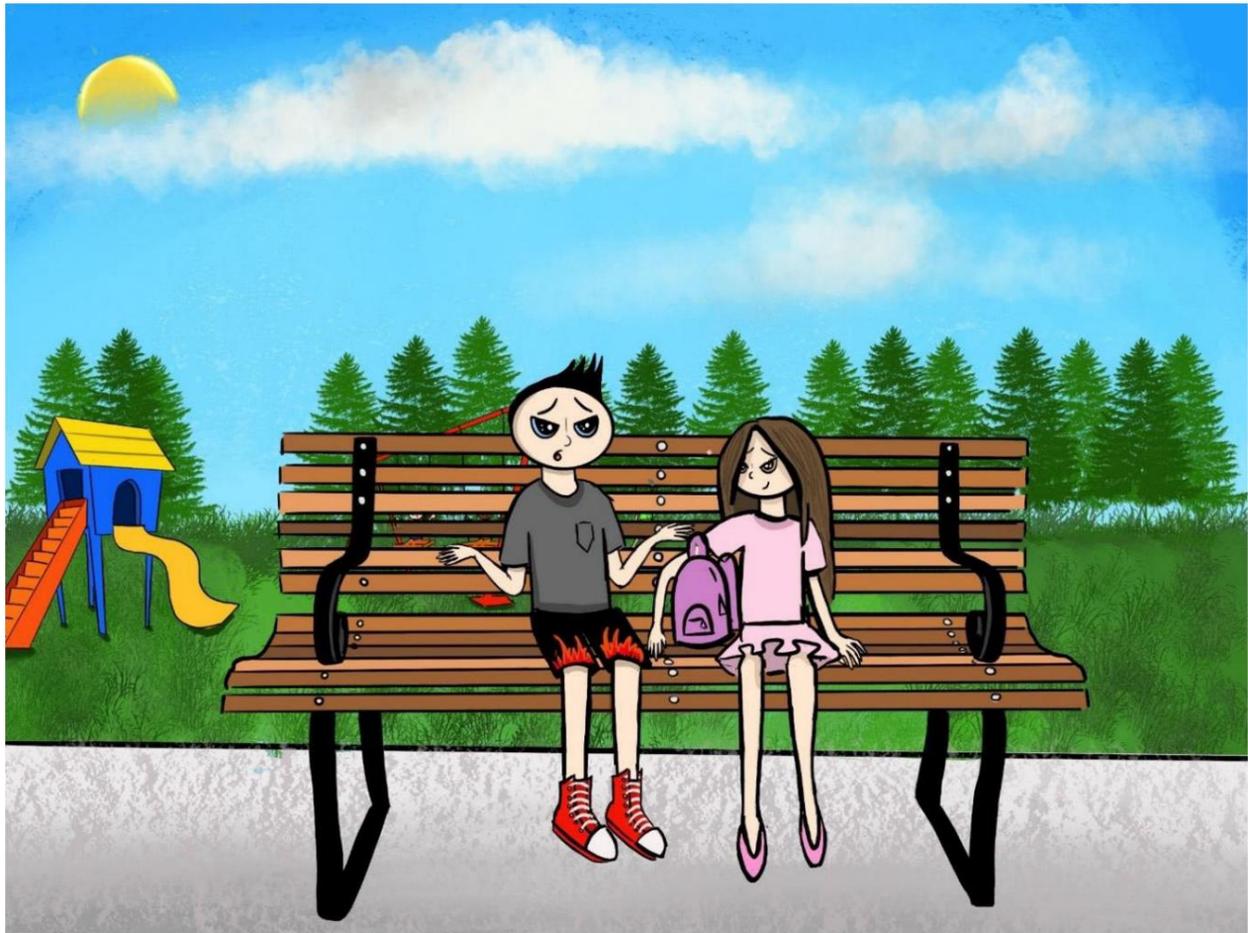
एखन धर राजकुमार काफी सुनने छलाह आ महल मे घुरबाक लेल कहलन । घुरला पर
राजकुमार बजलाह सौरी मूजी। हमरा सब गामक लोकक संग एतेक नीच नह हेबाक चाही छल।
जँ हम हुनका लोकन क स थ त मे रह तहुँ तऽ हमहुँ सचमुच परेशान होइतहुँ । लोककेँ अधलाह
कहब ठीक नह । जे आदरक बात नह । की अहाँ हमरा माफ क सकैत छी

मूजी ओकरा माफ क देलकैक आ ओकरा स खबैत छलैक जे सद खन दोसर पर दयालु रहू।



दोसर द न राजकुमार पूरा मोहल ला स माफी मंगलन
आ कहलक जे लोकक प रत नीक आ दयालु रहबाक अपन सबक सीख लेने अछ । गामक
लोक सभकेँ बुझल छल जे ओ अपन सबक स ख लेलक आ ओकर माफी स वीकार कए लेलक।
दयालुताक राज य मे सब क यो सुखपूर वक रहैत छल । अंत।

मैक सक छु काल धर गहीर व चार मे छल।

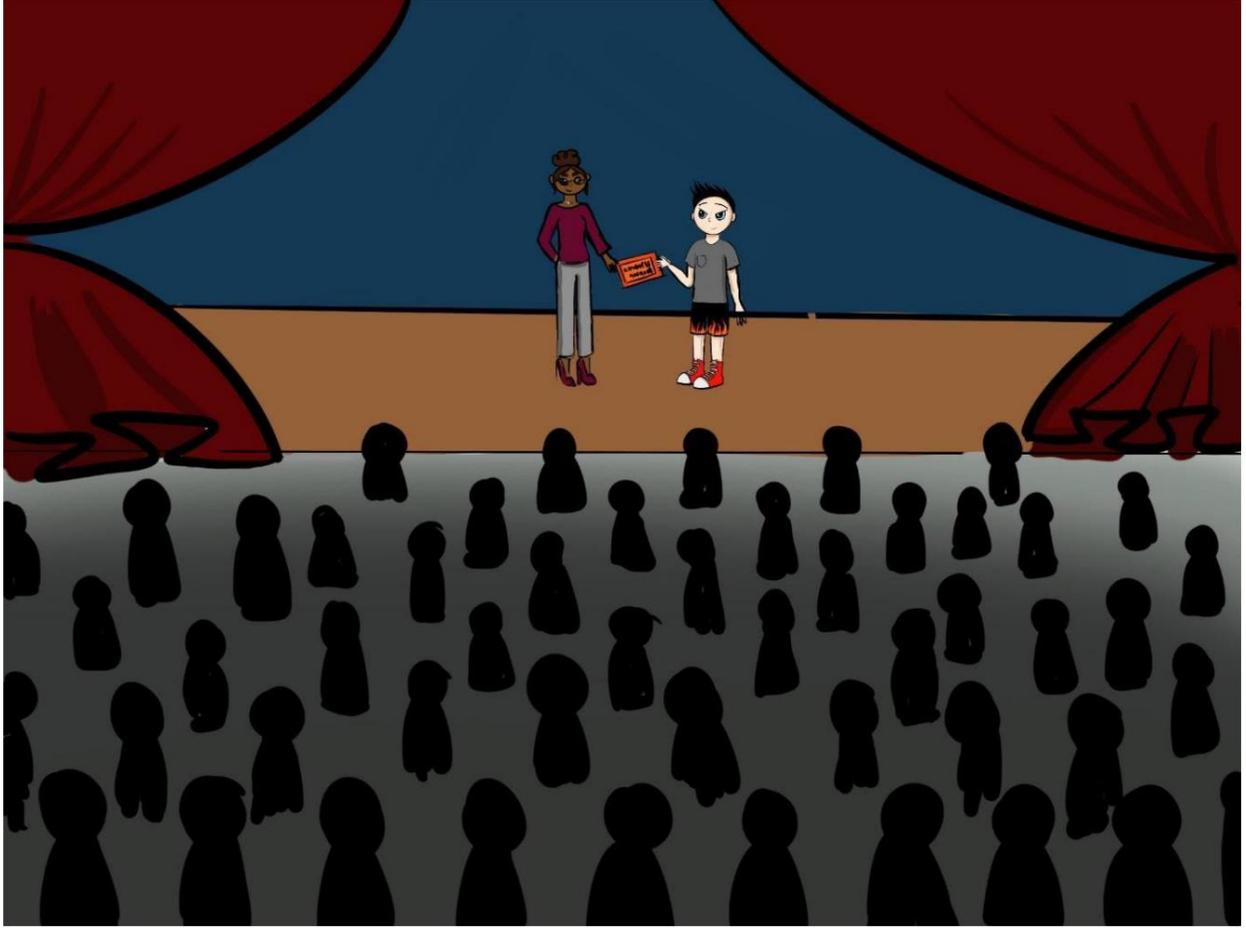


स कूल मे मैक स देखलक जे छोटकी बच ची एकटा बेच पर असगर बैसल छल।

ओ हुनका लग जा कऽ बजलाह हम जे केलहुँ ताह लेल हमरा क षमा करब । हम नह केलहुँ जानैत छी जे हम लोक के एतेक आहत करैत छी। आशा अछ जे अहाँ हमरा माफ क सकब।

छोटकी बच ची जबाब देलक हमरा खुशी अछ जे अहाँ बुझ गेलहुँ। एकरा लेल क माफी माँगय लेल पैघ व यक त । वैसे हमर नाम एमी अछ ।

अहाँसँ भेट कए नीक लागल एमी। हम मैक स छी। की अहाँ सब एक संग खेलय चाहैत छी क छु समय एमी ठहाका मारलक। न श च त. जे बड ड नीक रहत। बाय मैक स बाय एमी



ओह द न सँ मैक स कॅ ई कथा सद खन मोन पड ैत छलन आ दोसर पर सद खन
दयालु रहब न श च त छलन । जरूरत पड ला पर दोसरक मदद करैत छलाह आ फेर
कह यो दोसर व यक त कॅ च बैत नह छलाह। सब क यो खुश छल जे ओ गुंडागर दी
छोड देलक। ओह मास स कूल मे हुनकर चयन काइंडनेस अवार्ड ड लेल भेल
छलन

अंत

मूजी के मैज क ऑफ काइंडनेस के न र माता के बारे में

श वेता बाला में साल के छलीह जखन ओ मूजी के मैज क ऑफ काइंडनेस
ल खने छलीह आ एकटा ऑनलाइन स कूल लॉरेल स प र ंग स स कूल में वी कक षा के
छात रा छलीह.

श वेता केरऽ बह न सहना बाला न १५ साल के उम र मं आरू कैल फोर न या केरऽ सैन जोस केरऽ
ल नब रोक हाई स कूल मं ९वीं कक षा के छात रा के रूप मं कहानी के च त रण करलकै ।

मूजी आ च ल ड रेन काइंडनेस नेटवर क के लेल हुनकर दयालुता के काज अछ

कथा १.

“ म या आ मूजी
“ मूजी के दयालुता के जादू
“ मूजी आ सर कस

कब ता “

“ मूजी कब ता

पहेली १.

“ मूजी शब द खोज
“ शब द के अनस क रैम बल करू

पोस टर कोव ड महामारी के समय प रारम भेन र म त १.

मूजी कहैत छथ मास क पह रब
मूजी हाथ धोबैत अछ

Moozie® के आर केस ट रा साहस क

संगीत यात रा के माध यम से दयालुता की खोज

टॉम ईस टन द वारा क सान टेड आ मूजी® द वारा सहायता

केटी ओल सन द वारा सच त र

पृष्ठ ४ ।

आब सुनल जाय जे कोना ट नी ट नी ट रायंगल मूजी के BIG आर केस ट रा मे शाम ल भ गेल

पृष्ठ ४ ।

आब सब के बुझल छैक जे मूजी द काउ जतेक दयालु भ सकैत अछ । हुनकासँ बेसी दयालु कोनो आन प राणी नह अछ ।

मूजी अपनऽ पूँछ से मक खी के धीरेधीरे झटका दै के साथ खड । होय जाय छै जेबे आर केस ट रा के सबसे नया वाद ययंत र कोठी के दरवाजा मे आबी जाय छै।

पृष्ठ ४ ।

आ मूजी कहैत अछ हाय छोटका। अहाँ की नाम अछ

टीटी मूजी स कहैत छथ हमर नाम ट नी ट नी ट रायंगल अछ मुदा सब हमरा टीटी कहैत अछ ।

पृष्ठ ४ ।

अहाँ एतय क एक छी मूजी पुछै छै।

टीटी कहैत छथ हम एतय ब ग आर केस ट रा मे शाम ल होबय लेल आयल छी मुदा हमरा डर अछ ।

अहाँ क एक डरैत छी मूजी पुछै छै।

टी. टी. कहैत छथ हम छोट छी तेँ आन सभ वाद ययंत रसँ छोट। हम नव छी। आन कोनो वाद ययंत र हमरा नह बुझल अछ । आ संगीत बजबैत काल हम

कोन आवाज न कालब से नह जान

मूजी कहैत छथ अच छा हमर नवका छोटका म त र हमरा सभटा वाद ययंत र बुझल अछ आ हम अहाँकेँ ओह सँ पर चय करा देब।

हम अहाँक आवाज तकबा मे मदद करबा मे खुश रहब। चलू तार खंड पर चलू

पृष्ठ ४ ।

जेनाजेना मूजी एकटा सेलो द स इशारा करैत अछ ओ टीटी केँ कहैत अछ जे चार ली सेलो आर केस ट रा केर सबसँ पुरान सदस य मे सँ एक अछ ।

टी.टी. की अहाँ हमर आवाज तकबा मे मदद क सकैत छी

पृष्ठ ४ ।

हमरा छोड द अ। हम अभ यास क रहल छी। हम बहुत बेसी महत वपूर ण आ व यस त छी जे अहाँ सन लोक के मदद क सकैत छी। जाउ छोटछोट वायल न मे

सँ एकटा देखू छोटछोट तार होइत छैक आ छोटछोट चीज नीक लगैत छैक। शायद ओ सभ अहाँकेँ सेहो पस न करत। चार ली सेलो गुर राइत बाजल।

पृष्ठ ४ ।

टी.टी. वापस मूजी लग जाइत अछ आ कहैत अछ ओ बहुत नीक नह छल।

मूजी कहैत छथ टी.टी. सभ तार वाद ययंत र चार ली सेलो जकाँ नह होइत अछ ।

पृष्ठ ४ ।

अचानक बैक सटर बेस च च या उठैत अछ अरे यार च ता जुन क रू मस त र हू हम सब ओह यार जकाँ नह छी हम सब म लैतजुलैत छी

खैर कम सँ कम एतय बासलैड मे त हम सब म लैतजुलैत छी

पृष्ठ ४ ।

आव योला व योला आगू कहैत छथ टी.टी. कृपया सभ तार वाद ययंत रक आकलन पह ल वाद ययंत रक आधार पर नह करू। ओना चार ली जदूर कहलन जे वायल न सं गप प करबाक चाही। ऊँच आ तेज खेलाइत छथ आ नीक आ म लनसार गुच छा छथ ।

पृष्ठ ४ ।

अस तु मूजी आ टी.टी. ई हमर नवका म त र छथ आ ई हुनकर पह ल र हर सल छन मुदा हुनका अपन आवाज नह भेट रहल छन ।

अहाँक आवाज नह अछ हमरा क एक मोन पड ैत अछ जखन हमरा आवाज नह छल। मुदा तखन हमरा अपन आवाजक रहस य भेटल। लोरेटा वायल न कहैत छथ ।

टी.टी. पुछैत अछ अहाँक आवाजक रहस य

हँ हमरा लेल रहस य छल हमर धनुष। एतय अहाँ एकरा आजमाउ धनुष अहाँक भीतर सँ संगीत केँ ठीक उछल दैत अछ

पृष्ठ ४ ।

ते टी.टी. धनुष लऽ कऽ ओकरा अपन दह ना कात पार करय लगैत अछ मुदा कोनो आवाज नह । टी.टी. धनुष वापस लोरेटा के हाथ मे दैत कहैत अछ

धन यवाद सुश री वायल न। हमरा नह लगैत अछ जे धनुष हमर आवाजक रहस य अछ ।

टी.टी. च न ता जुन करू। अहाँक अपन आवाज भेटत। आ अहाँक की बुझल अछ हम आ अहाँ आब दोस त छी। जह ना अहाँक आवाज भेटैत अछ अहाँ कह यो वापस आब हमरा सभक संग खेलाइत छी। मूजी टी.टी. केँ लकड ीक हवाक ओह पार क एक नह ल जाइत छी हमरा यकीन अछ जे ओ सभ अहाँक मदद करबा मे बहुत खुश हेताह।

पृष्ठ ४ ।

जखन ओ सभ व दा होबय लेल घुमैत छथ त मूजी टी.टी.

हँ हम करैत छी। लोरेटा आ ओकर संगी सभ हमरा पर नीक आ दयालु छल एतेक धर जे पैघ बास सेहो नीक छल। हमरा सभटा नीक लागल।

कहैत छथ टी.टी.

पृष्ठ ४ ।

मूजी पह ल कुर सी शहनाई द स इशारा करैत टी.टी. आ टी.टी. माफ करब मैडम। हमर नाम ट नी ट नी ट रायंगल अछ । हम अपन आवाज ताक रहल छी। की अहाँ हमर मदद क सकैत छी

पृष्ठ ४ ।

रीडा शहनाई कहैत छथ अहाँ केँ क छु नर वस भ गेल अछ अहाँ त र कोण छी। अहाँ आर केस ट रा के पाछु के छी।

अहाँ के पता अछ जे आर केस ट रा के पाछु त र कोण क एक लगा दैत छथ न ह कारण अहाँ महत वपूर ण नह छी हमरा छोड द आ जाउ अपन जगह पर आब जाउ पाछुक पंक त मे

पृष्ठ ४ ।

टी.टी. हम चाहैत छी जे अहाँ लकड ीक हवाक त कड ी सं भेट करी ब ली जो प कोलो ओल व या ओबो आ हॉब सन बेसन. हमरा लगैत अछ जे ओ सभ अहाँक आवाज तकबा मे मदद क सकैत छथ ।

पृष्ठ ४ ।

दुनू गोटे म ल कय ओह पार जाइत छथ आ मूजी कहैत छथ ई हमर म त र छथ टी.टी. आर केस ट रा मे नव छथ आ हुनका अपन आवाज तकबाक आवश यकता छन ।

ब ली जो प कोलो जल दीजल दी चहकैत अछ अरे छोटका बौआ हमरा अपन आवाज तकबा मे मात र सेकेड लागल। अहाँकेँ लगैत अछ जे अहाँ ओह र कार डकेँ मात दऽ सकैत छी

पृष्ठ ४ ।

ओल व या ओबो शांत पूर वक कहैत छथ ब ली जो टी.टी. त अहाँ अपन आवाज ताक रहल छी खैर हमरा सभक भीतर गहीर मे अपन अपन आवाज अछ । एह खंड मे हमरा सब मे स अध कतर लेल ख रहस य अछ । एतय टी.टी. हमर ईख आज माउ। शायद ई अहाँक आवाजक रहस य अछ । आ हॉब सन बेसन आगू कहैत छथ हँ ई हमरा लेल सद खन काज करैत अछ ख पूरा दुन या के कंपनी आ जीवंत बना दैत अछ । आगू ब ू आ प रयास करू ई आसान अछ एकरा एकटा टूट द द यौक

पृष्ठ ४ ।

टी.टी. ख लऽ कऽ मुँह मे दऽ कऽ उड । दैत अछ । उड इत आवाज मुदा कोनो आवाज नह । त टीटी द दैत अछ रीड वापस म सेज ओबोए लग कहैत छथ धन यवाद म सेज ओबोए अहाँ बहुत दयालु छी। ख क रहस य नह । ख अहाँक लेल सुन दर काज करैत अछ मुदा बस हमरा लेल काज नह करैत अछ । अहाँकेँ अपन आवाज भेटत हमरा बुझल अछ जे अहाँकेँ भेटत। एतय एकटा व चार अछ । अहाँ धातुक बनल छी अहाँ आ मूजी पीतल के खंड के ट राई क एक नह करैत छी ओ सभ हमरा सभक ठीक बगल मे छथ

पृष्ठ ४ ।

जेना टीटी चलैत अछ आ चमकैत सींग तुरही आ ट राम बोन द स ताक रहल अछ

पृष्ठ ४ ।

गलती सँ एकटा बहुत पैघ वाद ययंत र सँ टकरा जाइत अछ । टीटी आर केस ट रा के दबंग मैक स तुबा स टकरा गेल छल। मैक स तुबा गुर राइत अछ देखू अहाँ कतय जा रहल छी अहाँ छोटका प प चीखपुकार हम या उड । बै स पह ने एतय स बाहर न कलू एतय सँ बाहर

पृष्ठ ४ ।

आ मूजी कहैत छथ मैक स तुबा से दयालु नह छल। हुनकर कोनो हान नह छलन दुर घटना भेल। ई ओकर पह ल द न छैक आ ओ अपन आवाज ताक रहल अछ । जेना मैक स तुबा के चमकैत पीतल के त वचा शर म दगी सँ लाल भ जाइत छैक ओ बुदबुदाइत आ कराहैत अछ आ गला साफ करैत कहैत अछ आहह एह लेल सॉरी। हम अपना छोड ककरो बारे मे नह सोच रहल छलहुँ। नमस कार शायद ओ फ सलन फ सलैत ट राम बोन अहाँक आवाज तकबा मे मदद क सकैत अछ ।

पृष्ठ ४ ।

खैर ई मोन पाड ैत जे मूजी कहैत छथ जे सद खन दयालु रहू टी.टी. एह सुझावक लेल धन यवाद म स टर तुबा। अहाँ बहुत पैघ आ उज ज वल छी। हम ट राम बोन देखय जायब आ हुनका सँ पूछब जे की ओ हमर आवाज तकबा मे मदद क सकैत छथ । ग रुफ मैक स तुबा नरम भ क कहैत छथ हमर खुशी। शुभकामना बच चा आ आर केस ट रा मे स वागत अछ ।

पृष्ठ ४ ।

मूजी टी.टी.

पृष्ठ ४ ।

ठीक तखने रेमन ट राम बोन कहैत छथ अरे कम पैड रे एतय फ सल जाउ। हम रेमन छी। पूरा पीतल खंड मे अहाँक संग कोनो गोमांस नह अछ ।

तखन अवा हॉर न कहैत छथ अहाँ अपन आवाज ताक रहल छी हमर सबहक आवाजक रहस य अछ बहुत हवा आ मुँहक टुकड ।।
सुनू

पृष्ठ ४ ।

हम डोनाल ड ट रम पेट छी हमरा सब क छु के बारे मे बहुत क छु पता अछ रेमन टीटी के अपन माउथपीस द यौक शायद ओकर आवाजक रहस य छैक । बस ठोर बजब आ असली जोरसँ उड । बऽ पड त।

पृष्ठ ४ ।

तैं टी.टी.माउथपीस लऽ कऽ उड । बैत अछ आ उड । बैत अछ आ उड । बैत अछ । मुदा कोनो आवाज नह । न राश भ टी.टी. ई अहां आ अहां के चमकदार पीतल के दोस त के लेल बहुत नीक काज करैत अछ । अहाँ सब एतेक नीक लगैत छी हमरा चमकैत आ एह आर केस ट रा मे रहबाक गर व होइत अछ ।

पृष्ठ ४ ।

जखन दुनू गोटे जाइत छथ मूजी टी.टी. अहाँक दयालुता सँ दोसर केँ नीक लागैत छैक।

टी.टी. कहैत छथ दयालु रहला स हमरा सेहो नीक लगैत अछ । जखन क टी.टी.केँ आन वाद ययंत रक प रत अपन दयालुता नीक लगैत छन मुदा एखनो अपन ध वन तकबाक लेल बेचैन छथ ।

पृष्ठ ४ ।

ओ कहैत छथ मूजी हम सभ तार पर गेल छी। हम सब लकड ीक हवा मे गेल छी। हम सभ पीतल खंड मे गेल छी।

पृष्ठ ४ ।

हमर आवाज आओर कतय ताकब

पृष्ठ ४ ।

आह हा एकटा एहन जगह अछ जतय हम सब नह गेल छी। हम पह ने ई बात क एक नह सोचने रही ओतह हमर गाय घंटी रखैत छथ । चलू पर क यूशन सेक शन पर चलू।

पृष्ठ ४ ।

तखन ओ सभ जैक ट म पनी केँ च च याइत सुनैत छथ टी.टी. ट रायंगल एतय वापस आब जाउ यार। प छला पंक त में अपनेक स वागत अछ जतय हमरा सब मे स बेसी गोटे के संगीत बनबैत काल ठा भ घुमबाक मौका भेटैत अछ । अहाँक बारे मे सुनने छी। शब द अछ जे अहाँ नव ताल वाद ययंत र छी जे अहाँक आवाज ताक रहल छी । अहाँ सही जगह पर आब गेल छी एतय पर क यूशन IS बाजल जाइत अछ । हमर म त र सब सुनू। हमरा एकटा व चार आब गेल अछ अहाँ हमर सबसँ नीक दोस त कैडेस केँ देखय लेल क एक नह गुड क जाइत छी। हे कैडेस हम चाहैत छी जे अहाँ गरम नव त र कोण सँ भेट करी। ओ दयालु आत मा छथ आ प रत भा सँ लदल ओकरा एक शन मे झूलय मे मदद करू

पृष्ठ ४ ।

मूजी आरू टीटी प रस द ध ड रम पर वार केरऽ कैडेस स नेरड रम सं म लै लेली ओतं जाय छै । कैडेस हुनका लोकन क स वागत करैत कहैत छथ नमस कार टी.टी. हम कैडेस छी। हम ब ग बैड छोट बैड मार च ग बैड आ रॉक बैड मे बजौने छी। हमर आ हमर संगी सभक लय सुनू।

कैडेस आ ओकर संगी सभक सभ आवाजसँ चक त टी.टी.

कैसे स नेर ड रम कहैत अछ हँ टी.टी. आ की अहाँ कँ बुझल अछ जे ओह मे सँ बहुत रास आवाज अहाँ जकाँ कूल वन नोटर
द वारा बनैत अछ
तखने कैसेस लग मे पड ल एकटा छोट सन बीटर द स इशारा करैत कहैत अछ चेक चेक इट टी.टी. ई अहाँक आवाजक रहस य भ सकैत
अछ ।

पृष्ठ ४ ।
बीटर उठाबैत टी.टी. हमरा भेट गेल। हमरा अपन आवाज भेटल
मूजी खुशीखुशी मूक केलक क एक त ओकर दोस त के ओ चीज भेट गेलै जे ओ खोज रहल छल... ओकर आवाज के रहस य. टी. टी. आब डरैत नह छल।

पृष्ठ ४ ।
आर कैसेस ट रा के अलग अलग सेक शन अपन पार ट के अभ यास मे व यस त रहल अछ मुदा देखल जाय जे सब के एक ठाम राख क की
होइत अछ

पृष्ठ ४ ।
मूजी चाहय छथ न ह जे अहां याद राखब जखन अहां दयालु छी त अहां के नीक लगैत अछ जेकरा पर अहां दयालु छी ओकरा नीक लगैत अछ ...
आओर अहां के दयालुता के काज देखय वाला सभ के सेहो नीक लगैत अछ .
देखैत छी दयालु रहला स हमरा सब के एक संग बजबय मे मदद भेटैत अछ आ सुंदर संगीत बनेबा मे मदद करैत अछ ... चाहे हम सब कतबो अलग रही